धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी पर PM-EAC रिपोर्ट

प्रिलिम्स के लिये:

जनसांख्यिकीय लाभांश, कुल प्रजनन दर (TFR), राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, जनगणना 2011, जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धांत।

मेन्स के लिये:

भारत में जनसांख्यिकीय परिवर्तन, भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का महत्त्व, भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश से जुड़ी चुनौतियाँ।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (PM-EAC) के एक नए विश्लेषण के अनुसार, वर्ष 1950 से वर्ष 2015 के बीच भारत में हिंदुओं के **जनसंख्या** प्रतिशत में 7.82% की कमी आई है, जबकि मुसलमानों, ईसाइयों तथा सिखों के प्रतिशत में वृद्धि हुई है।

PM-EAC रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष क्या हैं?

- **विश्व भर में घटती बहुसंख्यक जनसंख्या:**
  - वर्ष 1950 से वर्ष 2015 तक **38 OECD देशों** की धार्मिक जनसांख्यिकी पर एकत्रित किये गए आँकड़ों के अनुसार, इनमें से 30 देशों के प्रमुख **धार्मिक समूह रोमन कैथोलिकों के अनुपात में उल्लेखनीय कमी** देखी गई।
  - सर्वेक्षण में शामिल 167 देशों में वर्ष 1950-2015 की अवधि के दौरान वैश्विक स्तर पर बहुसंख्यक धार्मिक समूहों की जनसंख्या में औसत गिरावट **22%** आई।
    - OECD देशों में बहुसंख्यक जनसंख्या तेज़ी से घटी है, जिसमें औसतन **29%** की गिरावट दर्ज की गई है।
    - वर्ष 1950 में अफ्रीका के 24 देशों **में जीववाद अथवा स्थानीय मूल धर्म** प्रमुख था।
      - वर्ष 2015 में अफ्रीका के इन 24 देशों में से किसी में भी जीववाद अथवा स्थानीय धर्म मानने वाले बहुसंख्यकों की मौजूदगी नहीं देखी गई।
    - **दक्षिण एशियाई क्षेत्र** में **बहुसंख्यक धार्मिक समूह की जनसंख्या बढ़** रही है, जबकि बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान और अफगानिस्तान जैसे देशों में **अल्पसंख्यक धार्मिक समूहों की जनसंख्या** में **काफी गिरावट** आई है।
- **भारत के संदर्भ में:**
  - **हिंदू जनसंख्या में गिरावट:** हिंदुओं की जनसंख्या में 7.82% की गिरावट आई है। वर्ष **2011 की जनगणना** के अनुसार, वर्ष 2011 तक भारत में हिंदू जनसंख्या लगभग 79.8% थी।
  - **अल्पसंख्यक जनसंख्या में वृद्धि:** मुस्लिम जनसंख्या 9.84% से बढ़कर 14.095% और ईसाई जनसंख्या 2.24% से बढ़कर 2.36% हो गई।
    - सिख जनसंख्या 1.24% से बढ़कर 1.85% और बौद्ध जनसंख्या 0.05% से बढ़कर 0.81% हो गई।
    - जैन और पारसी समुदाय की जनसंख्या में गिरावट देखी गई है। जैन जनसंख्या 0.45% से घटकर 0.36% तथा पारसी जनसंख्या में 85% की गिरावट के साथ यह 0.03% से 0.0004% रह गई है।
  - **स्वस्थ जनसंख्या वृद्धि दर:** राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आँकड़ों के अनुसार, भारत की कुल प्रजनन दर (Total Fertility Rate- TFR) वर्तमान में **2 के आसपास** है, जो 2.19 के वांछित TFR के निकट है। जनसंख्या वृद्धि का अनुमान लगाने के लिये TFR एक विश्वसनीय संकेतक है।
    - हिंदुओं के संदर्भ में **यह वर्ष 1991 के 3.3 से घटकर वर्ष 2015 में 2.1 और वर्ष 2024 में 1.9 हो गई है।**
    - मुसलमानों में **यह वर्ष 1991 के4.4 से घटकर वर्ष 2015 में 2.6 और वर्ष 2024 में 2.4 हो गई है।**

अल्पसंख्यकों को समान लाभ: भारत में अल्पसंख्यकों को समान लाभ मिलता है और वे सुखद जीवन जीते हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर जनसांख्यिकीय बदलाव चिंता का कारण बना हुआ है।

जनसांख्यकिीय प्रतरूप और इसकी प्रासंगकिता क्या हैं?

- **जनसांख्यकिी प्रतरूप:**
  - **यह मानव जनसंख्या में देखी जाने वाली भन्निताओं और प्रवृत्तयिों** को संदर्भति करता है।
  - ये पैटर्न **जनसंख्या गतकिी के अध्ययन के उपरांत प्राप्त होते हैं,** जसिमें जन्म दर, मृत्यु दर, प्रवास और जनसंख्या संरचना जैसे कारक शामलि हैं।
- **प्रासंगकिता:**
  - **जनसंख्या की प्रवृत्तयिों को समझना:**
    - जनसांख्यकिीय डेटा का उपयोग समय के साथ प्रतरूप की पहचान करने के लयि कयि जाता है। जन्म और मृत्यु दर का अध्ययन कर **जनसंख्या में वृद्धया गरिावट का अनुमान** लगाया जा सकता है।
    - यह **आधारभूत ढाँचा, स्वास्थ्य देखभाल, शक्षिा** एवं सामाजकि सेवाओं संबंधी योजनाएँ बनाने के लयि महत्त्वपूर्ण है।
  - **कारणों और परणिामों का वशि्लेषण:**
    - यह **जनसंख्या में परवि्रतन के पीछे के कारणों** की जाँच करता है। आर्थकि वकिास, शक्षिा, स्वास्थ्य देखभाल और सांस्कृतकि मानदंड जैसे कारक जन्म एवं मृत्यु दर को प्रभावति करते हैं।
    - **परणिामों में कार्यबल की गतशीलता,** नरि्भरता अनुपात (गैर-कार्यशील आयु समूहों का अनुपात) और सामाजकि सुरक्षा प्रणालयिों संबंधी नहितिार्थ शामलि हैं।
  - **नीतनिरि्माण एवं कार्यान्वयन:**
    - **स्वास्थ्य देखभाल:** आयु-वशिषिट स्वास्थ्य आवश्यकताओं की समझ से संसाधनों के प्रभावी ढंग से आवंटन में सहायता मलिती है।
    - **शक्षिा:** जनसांख्यकिी शैक्षकि योजना का मार्गदर्शन करती है, जैसे कवदि्यालय की अवसंरचना और शक्षिक भर्ती।
    - **शहरी नयिोजन:** जनसंख्या वतिरण शहरी अवसंरचनात्मक ढाँचे, आवास और परविहन को प्रभावति करता है।
    - **बुजुर्ग जनसंख्या:** वरषि्ठ लोगों से संबंधति दो प्रमुख मुद्दों- पेंशन और स्वास्थ्य देखभाल को जनसांख्यकिी नीतयिों में प्रमुखता दी गई है।

बुनयिादी जनसंख्या नयिंत्रण सदि्धांत क्या है?

- **माल्थस का सदि्धांत:** इसे वर्ष 1798 में एक ब्रटिशि अर्थशास्त्री और जनसांख्यकिीवदि् थॉमस रॉबर्ट माल्थस ने **"जनसंख्या के सदि्धांत पर** अपने **एक नबिंध"** में प्रस्तावति कयि था।
  - यह सदि्धांत **संसाधनों और जनसंख्या वसि्तार के बीच परस्पर क्रयि** पर केंद्रति है।
  - **जनसंख्या वृद्धि:** माल्थस ने तर्क दयि कि **जनसंख्या तीव्र गत से बढ़ती है,** जसिका अर्थ है कि जनसंख्या ज्यामतिीय दर (1, 2, 4, 8,16 आद) से बढ़ती है। जबकि **संसाधनों की उपलब्धता केवल अंकगणतिीय रूप** (1, 2, 3, 4, 5 आद) से बढ़ती है।
    - नतीजतन, जनसंख्या में वृद्धसंसाधनों की क्षमता से अधकि होगी।
  - **संसाधन संबंधी बाधाएँ:** माल्थस ने संसाधनों को लेकर दो प्राथमकि बाधाओं की पहचान की: **नरि्वाह (भोजन)** और जनसंख्या का समर्थन करने के लयि पर्यावरण की क्षमता **(सीमति भूमि, जल आद)।**
    - माल्थस का माननाथा कि जैसे-जैसे **जनसंख्या बढ़ेगी, इन संसाधनों पर अधकि दबाव बढ़ेगा,** जसिके परणिामस्वरूप अकाल, संसाधनों की कमी के चलते अंततः भूख, बीमारी तथा संघर्ष जैसे कारकों एवं "सकारात्मक नयिंत्रण" उपायों की वज़ह से जनसंख्या में कमी आएगी।
  - **जनसंख्या वृद्ध को लेकर जाँच:** माल्थस ने जनसंख्या वृद्ध को लेकर जाँच को दो श्रेणयिों में वर्गीकृत कयि:
    - **सकारात्मक जाँच:** ये प्राकृतकि कारक हैं जसिसे जनसंख्या **में** कमी आती है, जैसे- **अकाल, बीमारी और युद्ध आद।**
    - **नवारक जाँच:** ये जनसंख्या वृद्धि को नयिंत्रति करने हेतु **व्यक्तयिों या समुदायों द्वारा लयि गए सचेत नरि्णय हैं**, जैसे- वलिंबति ववाह, संयम और जन्म नयिंत्रण।
  - हालाँकि **माल्थस अंततः गलत साबति हुआ** क्योंकि कृषि प्रौद्योगकिी में प्रगतनि भारत जैसे देश को शुद्ध खाद्य अधशिेष वाले देश की श्रेणी में ला दयि।
- **जनसांख्यकिीय संक्रमण सदि्धांत:** यह **समय के साथ जनसंख्या परवि्रतन की प्रक्रयि** को रेखांकति करता है क्योंकि **समाज आर्थकि और सामाजकि वकिास के वभिन्नि चरणों से गुज़रता है।**
- **चरण 1- पूर्व औद्योगकि समाज:**
  - इसकी वशिषेता **उच्च जन्म और मृत्यु दर** है, जसिके परणिामस्वरूप **जनसंख्या** का आकार **अपेक्षाकृत स्थरि** रहता है।
  - संयुक्त परवािरों में **जन्म नयिंत्रण** और सांस्कृतकि प्राथमकिताओं के **अभाव** के कारण जन्म दर अधकि देखी जाती है।
  - **सीमति चकित्सिीय ज्ञान, पर्याप्त स्वच्छता का अभाव और बीमारी** के **व्यापक** प्रसार के कारण मृत्यु दर भी अधकि होती है।
- **चरण 2- संक्रमणकालीन चरण:**
  - इसकी शुरुआत औद्योगीकरण और स्वास्थ्य देखभाल एवं स्वच्छता में सुधार से होती है।
  - **इस दौरान चकित्सिा**, स्वच्छता और खाद्य उत्पादन में प्रगतिके कारण **मृत्यु दर में उल्लेखनीय गरिावट** आई है।
  - **प्रारंभ में जन्म दर उच्च रहती है, जसिसे** मृत्यु दर कम होने के कारण **तेज़ी से जनसंख्या वृद्ध** होती है।
  - इस चरण में अक्सर **जनसंख्या वसि्फोट** देखा जाता है।
- **चरण 3- औद्योगकि समाज:**
  - शहरीकरण, शक्षिा, आर्थकि परवि्रतन और महलिा सशक्तीकरण जैसे वभिन्नि कारकों के कारण जन्म दर में गरिावट आनी शुरू हो जाती है।
  - हालाँकि जन्म दर, मृत्यु दर से कुछ अधकि होती है, जसिके परणिामस्वरूप धीमी गत से ही सही, जनसंख्या वृद्ध लगातार जारी रहती है।
- **चरण 4- उत्तर-औद्योगकि समाज:**

- **जन्म दर और मृत्यु दर दोनों कम होती है,** जिसके परिणामस्वरूप जनसंख्या स्थिर या धीरे-धीरे बढ़ती है।
    - जन्म दर प्रतिस्थापन स्तर से भी नीचे गिर सकती है, जिससे जनसंख्या की उम्र बढ़ने और जनसांख्यिकीय असंतुलन के संबंध में चिंताएँ उत्पन्न हो सकती हैं।
- **चरण 5:**
    - कुछ मॉडलों में **पाँचवाँ चरण प्रस्तावित है, जहाँ जन्म दर प्रतिस्थापन स्तर से नीचे गिर जाती है,** जिसके परिणामस्वरूप जनसंख्या में गिरावट आती है **(जैसे- जर्मनी)।**
    - यह चरण की विशेषता एक महत्वपूर्ण वृद्ध जनसंख्या और संभावित जनसांख्यिकीय चुनौतियाँ हैं।

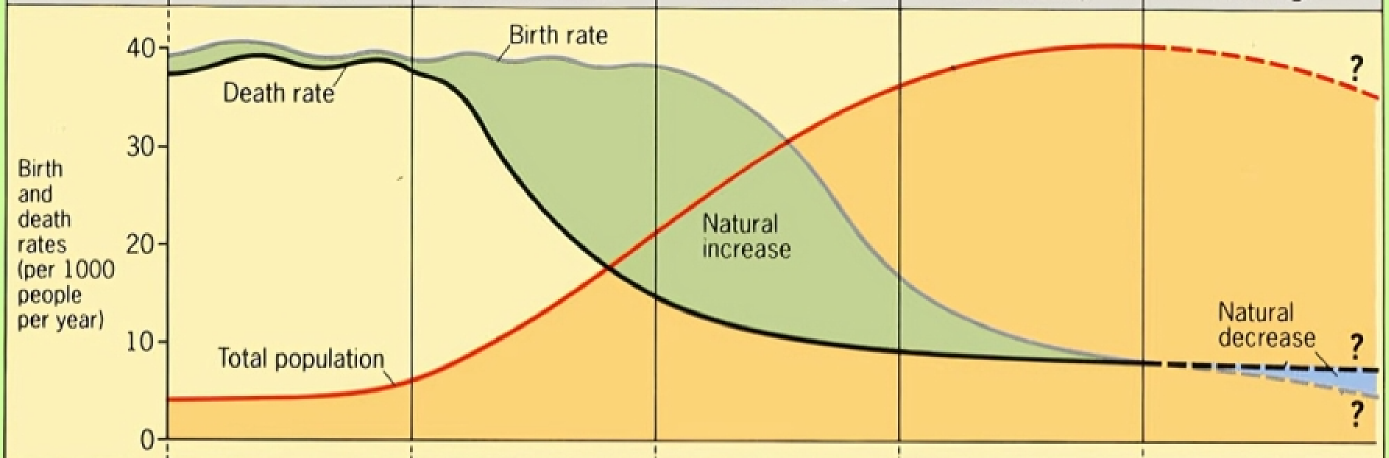

Stage	1 High stationary	2 Early expanding	3 Late expanding	4 Low stationary	5 ? Declining?
Examples	A few remote groups	Egypt, Kenya, India	Brazil	USA, Japan France, UK	Germany
Birth rate	High	High	Falling	Low	Very low
Death rate	High	Falls rapidly	Falls more slowly	Low	Low
Natural increase	Stable or slow increase	Very rapid increase	Increase slows down	Stable or slow increase	Slow decrease
Reasons for changes in birth rate	Many children needed for farming. Many children die at an early age. Religious/social encouragement. No family planning.		Improved medical care and diet. Fewer children needed.	Family planning. Good health. Improving status of women. Later marriages.	
Reasons for changes in death rate	Disease, famine. Poor medical knowledge so many children die.	Improvements in medical care, water supply and sanitation. Fewer children die.		Good health care. Reliable food supply.	

//

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

□□□□□□□□□□:

प्रश्न 1. किसी भी देश के संदर्भ में निम्नलिखित में से किसे उसकी सामाजिक पूंजी का हिस्सा माना जाएगा? (2019)

(a) जनसंख्या में साक्षरों का अनुपात
(b) इसकी इमारतों, अन्य बुनियादी ढाँचों और मशीनों का स्टॉक
(c) कामकाजी आयु-वर्ग की जनसंख्या का आकार
(d) समाज में आपसी विश्वास और सद्भाव का स्तर

उत्तर: (d)

प्रश्न. 2 भारत को "जनसांख्यिकीय लाभांश" वाला देश माना जाता है। यह किस कारण है? (2011)

(a) 15 वर्ष से कम आयु वर्ग में इसकी उच्च जनसंख्या
(b) 15-64 वर्ष के आयु वर्ग में इसकी उच्च जनसंख्या
(c) 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में इसकी उच्च जनसंख्या
(d) इसकी उच्च कुल जनसंख्या

उत्तर: (b)

?????:

प्रश्न 1. जनसंख्या शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यों की विवेचना कीजिये तथा भारत में उन्हें प्राप्त करने के उपायों का विस्तार से उल्लेख कीजिये। (2021)

प्रश्न 2. "महिलाओं को सशक्त बनाना जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने की कुंजी है।" चर्चा कीजिये। (2019)

प्रश्न 3. समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये कि क्या बढ़ती जनसंख्या गरीबी का कारण है या गरीबी भारत में जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण है। (2015)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pm-eac-report-on-share-of-religious-minorities